B- 3/4
L- 12
(Eco + Env)

पश्चिमी घाटों का महत्व

पश्चिमी घाटों में खतरे

विस्तार PDF Notes

मुख्य कारक

- खनिज संसाधनों की प्रचुरता
- महत्वपूर्ण जल संसाधन
  - नहर
  - बाँध
  - जल विद्युत परियोजनाएँ
- स्थानीय समुदाय का कृषि और संबद्ध कार्यों पर आश्रित होना

अन्य

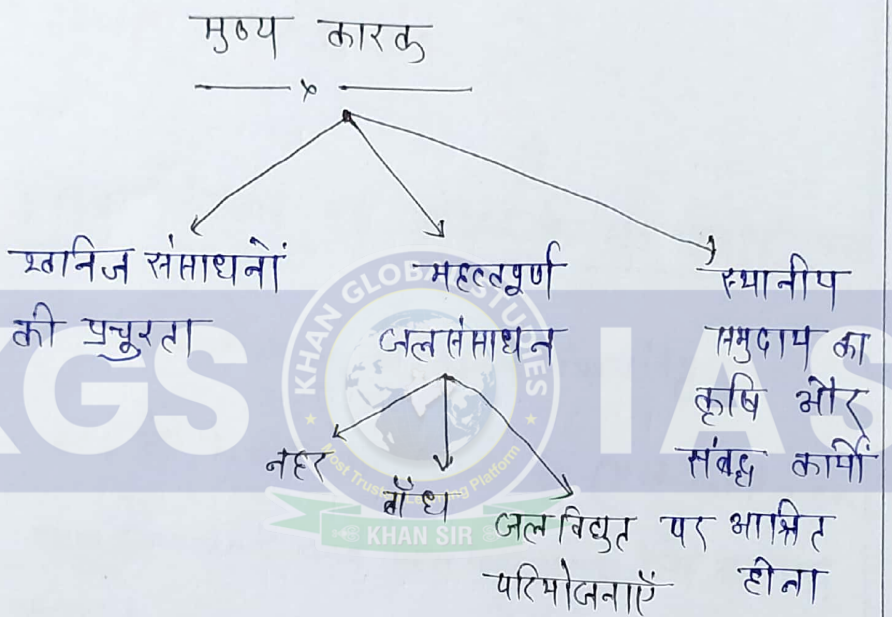

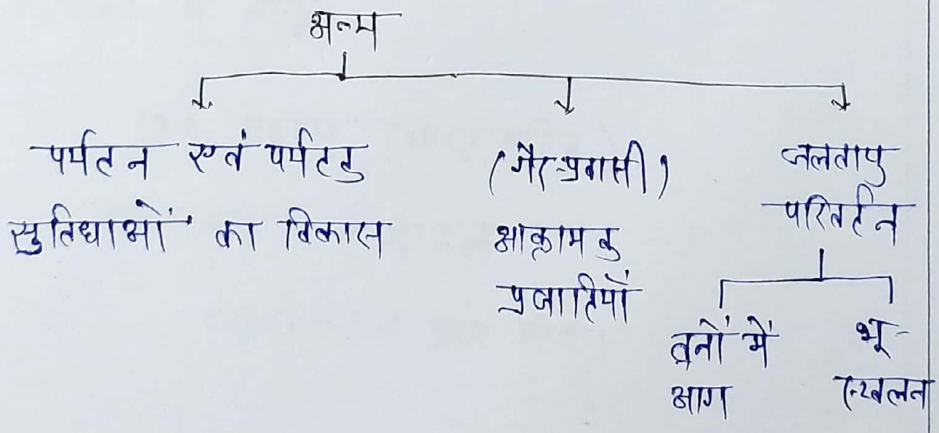

- पर्यटन एवं पर्यटक सुविधाओं का विकास
- (गैर-प्रवासी) आक्रामक प्रजातियाँ
- जलवायु परिवर्तन
  - वनों में आग
  - भू-स्खलन

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

पश्चिमी घाटों पर बनी समितियां

1. 2010: माधव गाडगिल समिति
2. 2012: कस्तूरिरंगन समिति
3. 2013: OOmmen V. OOmmen Committee

↑ विस्तार PDF Notes

जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय प्रयास

1. UN- Convention on Biological Diversity
   - 1992 के Rio Earth Summit (UN Conf. on environment and Development) में अपनाया गया।
   - 1993 में लागू

   196 सदस्य (भारत सहित)

   सचिवालय - मांट्रियाल

   CBD - तीन मुख्य उद्देश्य

Scanned by CamScanner

तीन मुख्य उद्देश्य

संरक्षण

सतत उपयोग मॉडल

लाभों का न्यायोचित साझाकरण एवं तर्कसंगत रूप से संसाधनों तक सभी की पहुँच

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner